2018

पाठ 6 पार नजर के

कठिन शब्द :

1. सुरंगनुमा
2. सिक्योरिटी
3. वार्तालाप
4. इस्तेमाल
5. प्रवेश
6. गतिविधियों
7. स्पेस-सूट
8. ऑक्सीजन
9. प्रशिक्षण
10. अवगत
11. प्राकृतिक
12. सतर्कता
13. पूर्वजों
14. अस्तित्व

पाठ 6

शब्दार्थ

1 सुरंगनुमा - सुरंग की तरह

2. मनाही - अनुमति न होना।

3 सिक्योरिटी - सुरक्षा।

4 वार्तालाप - बातचीत

5 चंद - कुछ

6 चुनिंदा - चुने हुए

7 हथिया लेना - प्राप्त कर लेना।

8 दीये - दीपक

9 हाथ लगाना - मिल जाना।

10 फिसल जाना - हाथ से निकल जाना।

11 संदेहास्पद - संदेह करना।

12 हरकत - क्रिया-कलाप

13 खैरियत - कुशलता।

14 लाजिमी - जरूरी

2/8

प्रश्नोत्तर (कहानी से)

प्र.1 छोटू का परिवार कहाँ रहता था?

उत्तर छोटू का परिवार मंगल ग्रह पर जमीन के नीचे बनी एक कॉलोनी में रहता था।

प्र.2 छोटू को सुरंग में जाने की इजाजत क्यों नहीं थी? पाठ के आधार पर लिखो।

उत्तर इस सुरंग में सुरक्षा कारणों से आम आदमी को जाने की मनाही थी। यहाँ केवल वह व्यक्ति जा सकता था जिसके पास सिक्योरिटी पास हो। छोटू के पास सिक्योरिटी पास नहीं था। इसके अलावा अलावा सुरंग में कई तरह के यंत्र लगे हुए थे। वहाँ केवल उन यंत्रों की देखभाल का काम करने वाले लोग जा पाते थे। यही कारण था कि छोटू को सुरंग में जाने की इजाजत नहीं थी।

प्र.3 कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

उत्तर कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने कम्प्यूटर पर यान क्रमांक एक को देखा। वहाँ उसने कन्ट्रोल का बटन दबा दिया, जिससे यान के यांत्रिक हाथ की हरकत बंद हो गई।

प्र.4 इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह पर कभी आम जन-जीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया। इसे लिखो।

उत्तर इस कहानी के अनुसार पृथ्वी की तरह ही मंगल ग्रह पर भी कभी आम जन-जीवन था। धीरे-धीरे वहाँ के वातावरण में परिवर्तन आने लगा। और सब कुछ नष्ट हो गया। यह परिवर्तन सूरज के कारण हुआ। सूरज में परिवर्तन होते ही प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया।

प्र०5 कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों?

उत्तर अंतरिक्ष यान को एअरोनोटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने भेजा था। वहाँ के वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर मिट्टी का अध्ययन करना चाहते थे। और पता लगाना चाहते थे कि मंगल ग्रह पर भी पृथ्वी जैसी जीवन है या नहीं।

प्र०6 नंबर एक, नंबर दो और नंबर तीन अजनबी से निबटने के कौन से तरीके सुझाते हैं और क्यों?

उत्तर नंबर एक, नंबर दो और नंबर तीन अजनबी से निबटने के निम्नलिखित तरीके अपनाते हैं।

* "नंबर एक यदि यान खुद ब खुद जमीन पर उतरते हैं तो इसे खाक कर देने की क्षमता हम मे है।"
* "नंबर दो यंत्रो को बेकार कर देने में भी खतरा है। इनके बेकार होते ही दूसरे ग्रहों के लोग हमारे बारे में जान जाएंगे।
* नंबर तीन हमें अपना अस्तित्व छिपाए रखना चाहिए। हमें अपना प्रबंध छिपाकर रखना चाहिए। ताकि वे यह न जान सकें कि हमारे पास कोई महत्त्वपूर्ण चीज है।

2218

कहानी से आगे

प्र.1 यदि आप नए स्कूल में गए तो आपको कैसा अनुभव हुआ?

उत्तर नए स्कूल का पहला अनुभव अच्छा था। मैं किसी भी छात्रा तथा अध्यापक को नहीं जानती थी। मैंने अपने साथ की एक लड़की से बातचीत की। वह मेरी ही कक्षा की छात्रा थी। फिर हम मित्र बन गये। उसने अन्य छात्राओं से भी मेरा परिचय करा दिया।

अनुमान और कल्पना।

प्र.1 यह कहानी जमीन के अंदर की जिंदगी का पता देती है। जमीन के ऊपर मंगल ग्रह पर सब कुछ कैसा होगा, इसकी कल्पना करो और लिखो?

उत्तर जमीन के ऊपर मंगल ग्रह पर भी जन-जीवन सामान्य नहीं होगा, न तो पेड़-पौधे होंगे न कोई नाला। मंगल ग्रह पर जिधर भी देखें उधर ही पठारी भूमि, रेगिस्तान और मिट्टी के पहाड़ होंगे, वहाँ किसी प्रकार का जीवन नहीं होगा। प्राणवायु की कमी होगी, सरदी बहुत अधिक होगी। सरदी बहुत अधिक होगी। पानी की किल्लत की संभावना है इस कारण यंत्रों की सहायता से ही जीना संभव हो पाता होगा। इस कारण यंत्रो की सहायता और उसके सहारे रहता है। क्योंकि मंगल ग्रह पर सूर्य की ऊर्जाशक्ति न होने के कारण प्राकृतिक संतुलन नहीं होगा। वहाँ सामान्य आदमी नहीं रह सकता।

प्र.2 मान लो कि तुम छोटू हो और यह कहानी किसी को सुना रहे हो तो कैसे सुनाओगे। सोचो और 'मैं' शैली में यह कहानी सुनाओ।

उत्तर मेरा घर जमीन के नीचे बनी कॉलोनी में है। मैं ज़मीन के ऊपर देखना चाहता था। एक बार अपने पापा का सिक्योरिटी पास लेकर चुपके रास्ते से जाना चाहता था। पापा उसी रास्ते से

प्रतिदिन काम करने जाया करते थे। सुरंग से पहुँचे वहाँ मैंने कार्ड डाला और दरवाजा बंद हो गया। यंत्र में कुछ संदेहास्पद हरकत हुई और एक दूसरे यंत्र ने मेरी तस्वीर खींच ली। तभी सिक्योरिटी गार्ड आ गए और मुझे पकड़कर वापस मेरे घर छोड़ दिया। फिर पापा ने बताया कि मंगल ग्रह पर जमीन जैसा ही जीवन था, लेकिन सूर्य में आए परिवर्तन के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया।

जीव मरने लगे। ठंड इतनी बढ़ गई कि वहाँ रहना मुश्किल हो गया। यंत्र की सहायता से जमीन के नीचे घर बनाए गए। अब तो स्पेस सूट और खास किस्म के जूते पहनकर ही धरती पर रहा जा सकता है। अब वहाँ जीवन कठिन हो गया है। मनुष्यों को छोड़कर सभी जीव नष्ट हो गए। अपनी तकनीक से मनुष्य ने पृथ्वी के नीचे घर बना लिया। जिसका नियंत्रण हम लोग अपने तरीके से करते हैं।

भाषा की बात

प्र.1 'वार्तालाप' शब्द वार्ता + आलाप के योग से बना है। यहाँ वार्ता के अंत का 'आ' और 'आलाप' के आरंभ का 'आ' मिलने से जो परिवर्तन हुआ है, उसे संधि कहते हैं। नीचे लिखे कुछ शब्दों में किन शब्दों की संधि है।

1 शिष्टाचार = शिष्ट + आचार
2 श्रद्धांजलि = श्रद्धा + अंजलि
3. दिनांक = दिन + अंक
4 उत्तरांचल = उत्तर + अंचल
5 सूर्यास्त = सूर्य + अस्त
6 अल्पाहार = अल्प + आहार

प्र.2 कार्ड उठाते ही दरवाजा बंद हुआ -

* यह बात हम इस तरीके से भी कह सकते हैं जैसे ही कार्ड उठाया, दरवाजा बंद हो गया।
ध्यान दो कि दोनों वाक्यों में क्या अंतर है। ऐसे वाक्यों के तीन जोड़े आप स्वयं सोचकर लिखो।

उत्तर- i शिक्षक के आते ही शोर बंद हो गया।
→ जैसे ही शिक्षक आए, शोर बंद हो गया।

ii) चोर के जाते ही पुलिस आई।
→ जैसे ही चोर गया, पुलिस आ गई।

iii) घर पहुँचते ही, बिजली चली गई।
→ जैसे ही घर पहुँचा, बिजली चली गई।

प्र3 छोटू ने चारों तरफ ~~देखा~~ नजर दौड़ाई।
छोटू ने चारों तरफ देखा।
उपर्युक्त वाक्यों में समानता होते हुए भी अंतर है। मुहावरे वाक्यों को विशिष्ट अर्थ देते हैं। इनके प्रयोग से वाक्य बनाओ।

उत्तर 1 नजर पड़ना - मेले में अचानक मेरी नजर सोहन पर पड़ी।
2 नजर आना - मेरी आँखों से आजकल कम नजर आता है।
3 नजर रखना - परीक्षा हॉल में हर विद्यार्थी पर नजर रखनी पड़ती है।
4 नजरें नीची होना - बेटे की करतूत से माता-पिता की नजरें नीची हो गईं।

प्र4 नीचे एक ही शब्द के दो रूप दिये गए हैं। एक संज्ञा है दूसरा विशेषण है। वाक्य बनाकर समझो और बताओ कि इनमें से कौन से शब्द संज्ञा है और कौन से विशेषण

उत्तर आकर्षक (विशेषण) - यह तस्वीर आकर्षक है।
आकर्षण (संज्ञा) - इस तस्वीर में बहुत आकर्षण है।

प्रभाव (संज्ञा) उनका अपने क्षेत्र में प्रभाव है।
प्रभावशाली (विशेषण) वह इस क्षेत्र के प्रभावशाली व्यक्ति हैं।

प्रेरणा (संज्ञा) महान लोगों की कथाएँ हमें प्रेरणा देती हैं।
प्रेरक (विशेषण) महान लोगों की कथाएँ प्रेरक होती हैं।

प्रतिभाशाली (विशेषण) नेहा प्रतिभाशाली है।
प्रतिभा (संज्ञा) नेहा में प्रतिभा है।